भारत सरकार
संचार मंत्रालय
डाक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3718

उत्तर देने की तारीख 11 दिसम्बर, 2019

निजी कोरियर सेवाओं के लिए प्राथमिकता

3718. श्री शंकर लालवानी :
डॉ. भारतीबेन डी. श्याल :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने लोगों द्वारा डाक सेवा की तुलना में निजी कोरियर कंपनियों के प्रति प्राथमिकता के कारणों का पता लगाने के लिए कोई जांच की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या परिणाम रहे हैं;

(ग) क्या सरकार का इस संबंध में कोई उत्तरदायित्व निर्धारित करने का प्रस्ताव है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) सरकार द्वारा निजी कोरियर कंपनियों से प्रतिस्पर्धा के मद्देनजर सामान्य डाक-सेवा और स्पीड पोस्ट सेवाओं में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

संचार, मानव संसाधन विकास तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री

(श्री संजय धोत्रे)

(क) और (ख) जी, नहीं। हालांकि, वर्ष 2015 में भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सी एंड एजी) द्वारा देशभर में कराए गए जांच परीक्षण के आधार पर यह पाया गया है कि स्पीड पोस्ट सेवा स्थानीय स्तर, प्रमुख शहरों और तहसील स्तर पर निजी कूरियर सेवाओं की तुलना में अधिक तेज गति वाली और भरोसेमंद है। इसके अतिरिक्त, वर्ष दर वर्ष स्पीड पोस्ट के परियात और राजस्व में बढ़ोतरी हो रही है, जो इस सेवा में ग्राहकों के विश्वास की द्योतक है। वित्तीय वर्ष 2014-15 की तुलना में वर्ष 2018-19 में स्पीड पोस्ट के परियात में 34% से अधिक की वृद्धि हुई है।

(ग) उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

(घ) कार्य-प्रदर्शन डैशबोर्ड के माध्यम से स्पीड पोस्ट के कार्यनिष्पादन की मॉनीटरिंग की जाती है, जिसके अंतर्गत महत्वपूर्ण कार्यनिष्पादन सूचकों (केपीआई) का नियमित रूप से मूल्यांकन किया जाता है। स्पीड पोस्ट का त्वरित पारेषण और सुपुर्दगी सुनिश्चित करने के लिए इसे एक स्पीड पोस्ट प्रोसेसिंग हब से दूसरे में भेजे जाने हेतु उपलब्ध सीधी उड़ानों का प्रयोग किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, स्पीड पोस्ट पार्सलों की यंत्रीकृत डिलिवरी हेतु नोडल यंत्रीकृत डिलिवरी केंद्र (एनडीसी) प्रचालित किए गए हैं। पार्सलों (स्पीड पोस्ट पार्सलों सहित) की यंत्रीकृत छंटाई हेतु विभाग ने अर्द्ध-स्वचालित पार्सल केंद्र भी स्थापित किए हैं। प्रोसेसिंग हबों के लिए स्थल तैयार करने तथा इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने के लिए प्रतिवर्ष निधियां आबंटित की जाती हैं, ताकि स्पीड पोस्ट हबों में कार्य सुचारू रूप से हो सके।

*****